RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

12th GEOGRAPHY

ARJUN BATCH

मानव भूगोल

प्रकृति एवं विषय क्षेत्र

अध्याय-1 | भाग-2



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

आज क्या पढ़ेंगे ?

1 मानव भूगोल की परिभाषाएँ

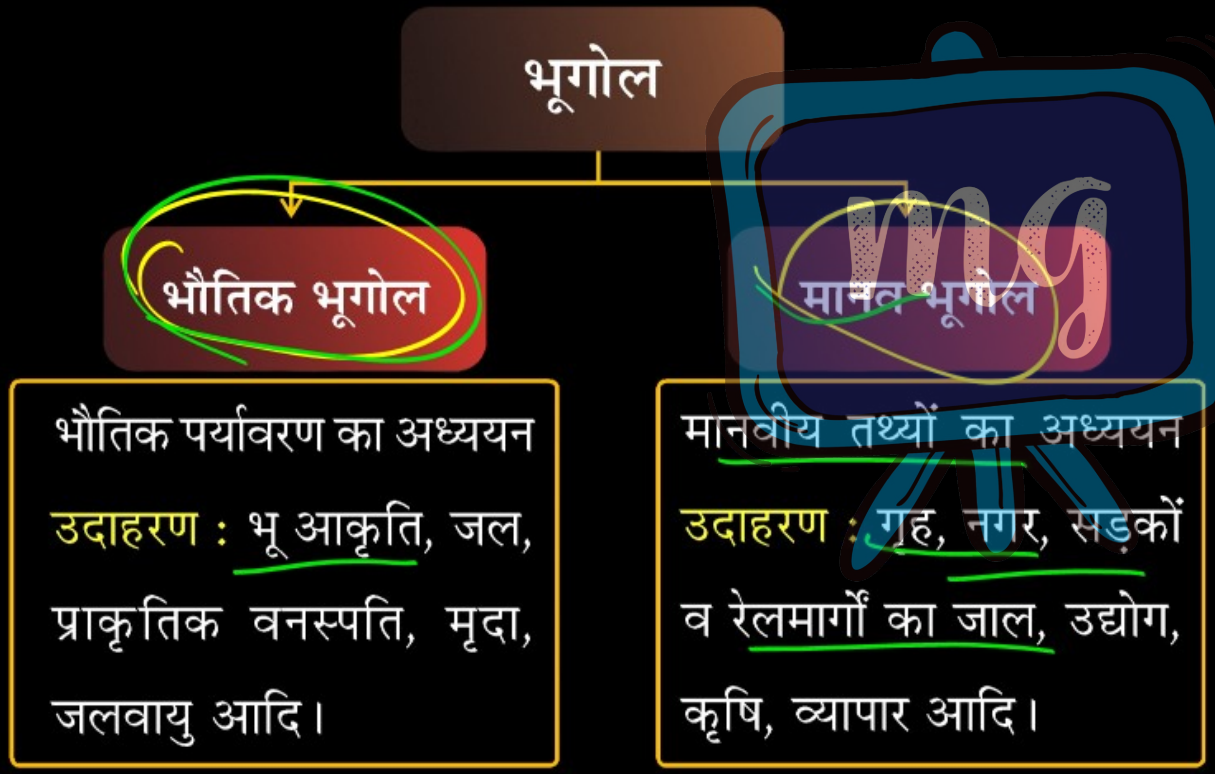
2 मानव भूगोल की प्रकृति



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

भूगोल की दो प्रमुख शाखाएँ :



→ भूगोल शब्द सर्वप्रथम → इरेटोस्थनीज

→ भूगोल का जनक - हिकैटियस

भूगोल शाब्दिक अर्थ

पृथ्वी गोल



→ Geography → English भाषा।

मूल → ग्रीक

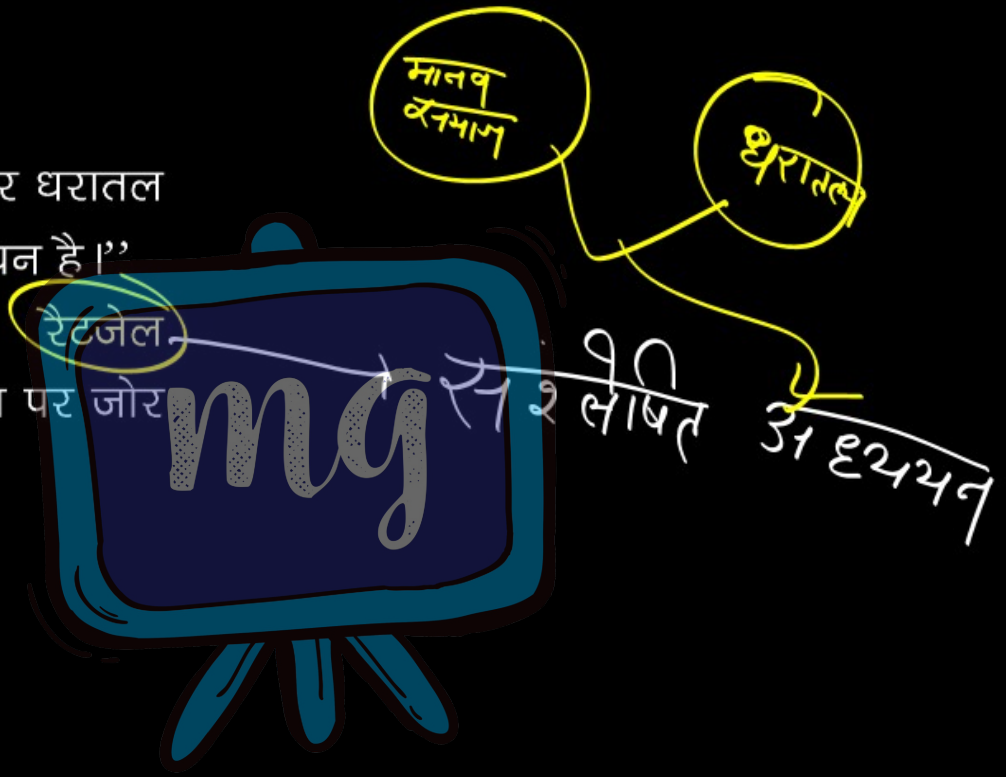
- मानव भूगोल का उद्भव - 18वीं शताब्दी से माना जाता है।
- आधुनिक मानव भूगोल के जन्मदाता – फ्रेडरिक रेटजेल (जर्मन भूगोलवेता)
- पुस्तक : एन्थ्रोपोज्योग्राफी



मानव भूगोल परिभाषाएँ :

- "मानव भूगोल मानव समाजों और धरातल के बीच संबंधों का संश्लेषित अध्ययन है।"

ऊपर दी गई परिभाषा में संश्लेषण पर जोर दिया गया।



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- "मानव भूगोल अस्थिर पृथ्वी और क्रियाशील मानव के बीच परिवर्तनशील संबंधों का अध्ययन है।"

एलन सी. सेंपल

- सेंपल की परिभाषा में संबंधों की गत्यात्मकता मुख्य शब्द है।



अस्थिर पृथ्वी

क्रियाशील मानव

परिवर्तन

परिवर्तन शील सम्बन्धो

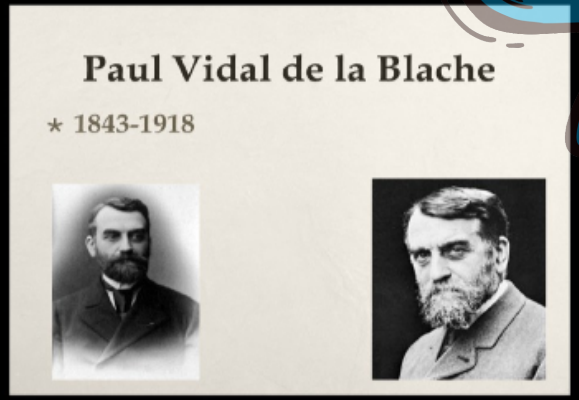
RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

"हमारी पृथ्वी को नियंत्रित करने वाले भौतिक नियमों तथा इस पर रहने वाले जीवों के मध्य संबंधों के अधिक संश्लेषित ज्ञान से उत्पन्न संकल्पना।"

- पॉल विडाल-डी-ला-ब्लाश

मानव भूगोल पृथ्वी और मनुष्य के अंतर्संबंधों की एक नयी संकल्पना प्रस्तुत करता है।



मानव स्व... संश्लेषित अध्ययन

प्रकृतिवाद के समर्थक - रैटजेल

→ सम्भववाद विचार धारा समर्थक।

पृथ्वी के नियन्त्रित व जीवों का अध्ययन

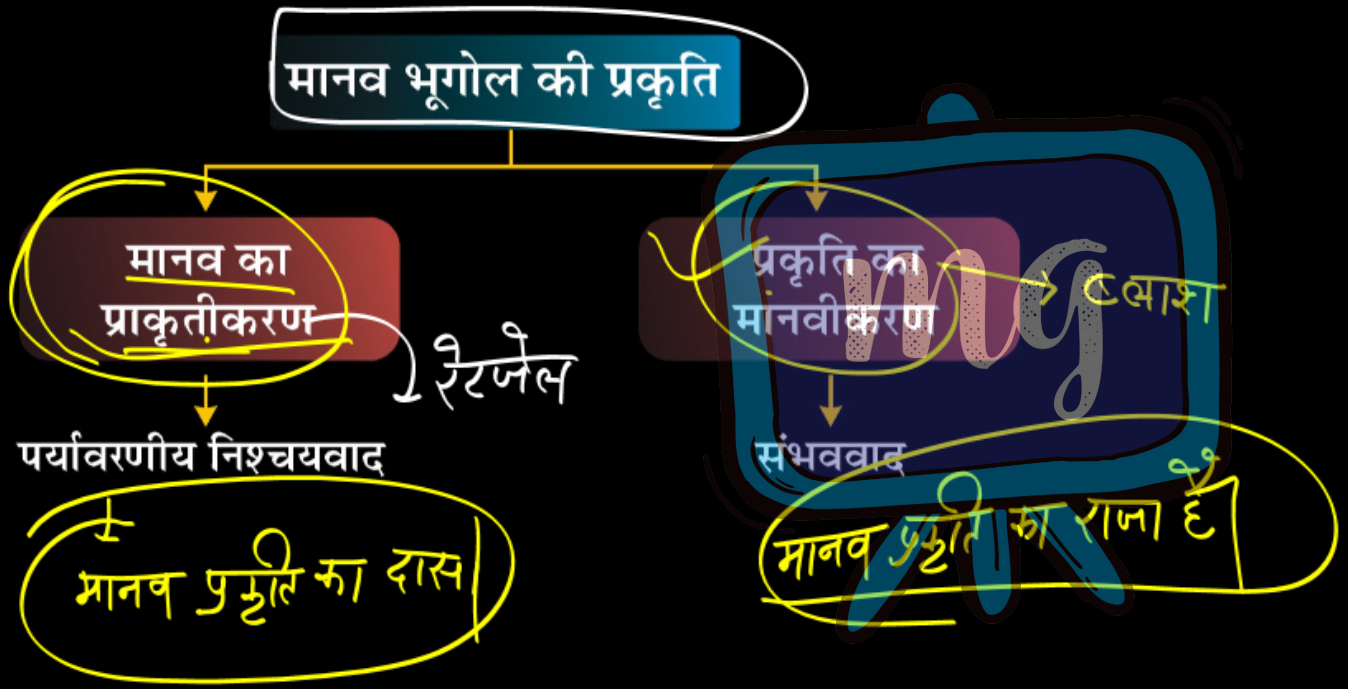
भौतिक नियम

सेपल → आस्थिर पृथ्वी व क्रियाशील मानव

परिवर्तनशील / गत्यात्मक सम्बंध।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

आदिमानव

मानव का प्राकृतीकरण :

- मनुष्य का प्रकृति के साथ अनुकूलन स्थापित करना अर्थात् प्रकृति के अनुसार चलना।
- मनुष्य अपने प्रौद्योगिक की सहायता से अपने भौतिक पर्यावरण से अन्योन्यक्रिया करता है।
- प्रौद्योगिक किसी समाज के सांस्कृतिक विकास के स्तर की सूचक होती है।



प्राकृतीकरण / निश्चयवाद / नियतीवाद

mg

- प्रकृति का ज्ञान प्रौद्योगिकी को विकसित करने के लिए महत्त्वपूर्ण है और प्रौद्योगिकी मनुष्य पर पर्यावरण की बंदिशों को कम करती है।
- आदिम मानव प्रकृति को सुनता था, उसकी प्रचंडता से भयभीत होता था और उसकी पूजा करता था।
- मानव प्रकृति का दास था।
- आदिम मानव समाज और प्रकृति की प्रबल शक्तियों के बीच की अन्योन्यक्रिया को 'पर्यावरणीय निश्चयवाद' कहा जाता है।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

प्रकृति का मानवीकरण : | सम्भववाद

- मानव की प्रकृति पर विजय अर्थात् प्रकृति पर सुविधानुसार नियंत्रण।
- पर्यावरण से प्राप्त संसाधनों के द्वारा मानव संभावनाओं को जन्म देता है।



प्रकृति का मानव राज्य

संसाधन
↳ ऐसे साधन जिनका उपयोग मानव करता है।

पर्वत/पठार
↳ पत्थर → सड़क। पुल। भवन। बाँध

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- मानव द्वारा की जाने वाली क्रियाओं से अनेक प्रकार के सांस्कृतिक भू-दृश्यों की रचना होती है।
- मानवीय क्रियाओं की छाप सर्वत्र है जैसे- खेत, फलोद्यान, बन्दरगाह, समुद्री मार्ग तथा अंतरिक्ष में उपग्रह इत्यादि।
- प्रकृति अवसर प्रदान करती है और मानव उनका उपयोग करता है तथा धीरे-धीरे प्रकृति का मानवीकरण हो जाता है तथा प्रकृति पर मानव प्रयासों की छाप पड़ने लगती है। इससे भूगोल में एक नवीन विचारधारा का जन्म हुआ अर्थात् **'संभववाद'**।

→ भवन। बाँध। रास्ता। पुल।

mg

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

मानव भूगोल की विचारधाराएँ

नियतिवादी/ निश्चयवादी विचारधारा

प्रतिपादक : फ्रेडरिक रेटजेल

प्रकृति श्रेष्ठ है।

मनुष्य प्रकृति का दास है।

समर्थक : एलन सी. सेम्पल, हम्बोल्ट, कार्ल रिटर।

संभववादी विचारधारा

प्रतिपादक : पॉल विडाल डी. ला. ब्लाश मनुष्य प्रकृति का दास नहीं है।

प्रकृति में संभावनाएँ विद्यमान है।

समर्थक : फैब्रे, अल्बर्ट डिमंजिया, कार्ल सावर।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

नव-निश्चयवाद / रुको और जाओ निश्चयवाद

प्रतिपादक – ग्रिफिथ टेलर



मानव भूगोल

निश्चयवाद

संभववाद

रुको

सावधान

मध्यम मार्ग

जाओ

नव निश्चयवाद

पृथ्वी परिवर्तित

निश्चयवाद

रेटजेल

संभववाद

पॉल विडाल

पृथ्वी में परिवर्तन

ग्रिफिथ टेलर

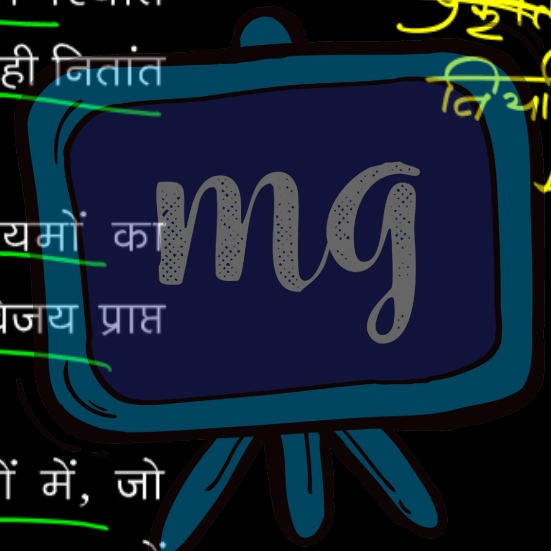
नव निश्चयवाद

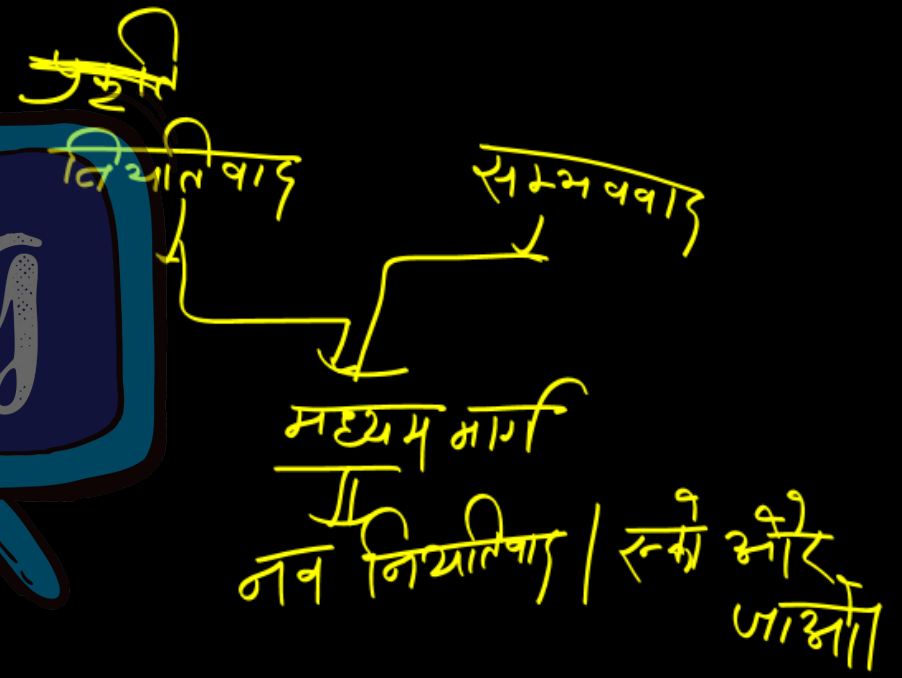
विचार:

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- नव-निश्चयवाद की संकल्पना दर्शाती है कि न तो यहाँ नितांत आवश्यकता की स्थिति (पर्यावरणीय निश्चयवाद) है और न ही नितांत स्वतंत्रता (संभववाद) की दशा है।
- इसका अर्थ है कि प्राकृतिक नियमों का अनुपालन करके हम प्रकृति पर विजय प्राप्त कर सकते हैं।
- इसका तात्पर्य है कि उन सीमाओं में, जो पर्यावरण की हानि न करती हों, संभावनाओं को उत्पन्न किया जा सकता है।





→ भूगोल का जनक कौन है?



समय के गलियारों से मानव भूगोल :

समय अवधि	उपागम	वृहत् लक्षण
आरंभिक उपनिवेश युग	अन्वेषण और विवरण	साम्राज्यी और व्यापारिक रुचियों ने नए क्षेत्रों में खोजों व अन्वेषणों को प्रोत्साहित किया। क्षेत्र का विश्वज्ञानकोषिय विवरण भूगोलवेताओं द्वारा वर्णन का महत्त्वपूर्ण पक्ष बना।
उत्तर उपनिवेश युग	प्रादेशिक विश्लेषण	प्रदेश के सभी पक्षों के विस्तृत वर्णन किए गए। मत यह था कि सभी प्रदेश पूर्ण अर्थात् पृथ्वी के भाग हैं, अतः इन भागों की पूरी समझ पृथ्वी पूर्ण रूप से समझने में सहायता करेगी।

समय अवधि	उपागम	वृहत् लक्षण
अंतर-युद्ध अवधि के बीच 1930 का दशक	क्षेत्रीय विभेदन	एक प्रदेश अन्य प्रदेशों से किस प्रकार और क्यों भिन्न है यह समझने के लिए तथा किसी प्रदेश की विलक्षणता की पहचान करने पर बल दिया जाता था।
1950 के दशक के अंत से 1960 के दशक के अंत तक	स्थानिक संगठन	कंप्यूटर और परिष्कृत सांख्यिकीय विधियों के प्रयोग के लिए विशिष्ट। मानचित्र और मानवीय परिघटनाओं के विश्लेषण में प्राय:, भौतिकी के नियमों का अनुप्रयोग किया जाता था। इस प्रावस्था को विभिन्न मानवीय क्रियाओं के मानचित्र योग्य प्रतिरूपों की पहचान करना इसका मुख्य उद्देश्य था।

समय अवधि	उपागम	वृहत् लक्षण
1970 का दशक	मानवतावादी, आमूलवादी और व्यवहारवादी विचारधाराओं का उदय	मात्रात्मक क्रांति से उत्पन्न असंतुष्टि और अमानवीय रूप से भूगोल के अध्ययन के चलते मानव भूगोल में 1970 के दशक में तीन नए विचारधाराओं का जन्म हुआ। इन विचारधाराओं के अभ्युदय से मानव भूगोल सामाजिक-राजनीतिक यथार्थ के प्रति अधिक प्रासंगिक बना।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

मानवतावादी भूगोल :

- कल्याणपरक विचारधारा
- सामाजिक कल्याण से संबंधित
- आवास, शिक्षा, स्वास्थ्य जैसे पक्ष सम्मिलित



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

आमूलवादी (रेडिकल) विचारधारा :

- कार्लमार्क्स के सिद्धान्तों पर आधारित
- समकालीन समस्याओं का संबंध पूँजीवाद से मानती है।

व्यवहारवादी विचारधारा :

- प्रत्यक्ष अनुभव पर बल देती है।
- मानव जातीयता, प्रजाति, धर्म इत्यादि पर आधारित संवर्गो के दिक्काल बोध पर ज्यादा जोर दिया।

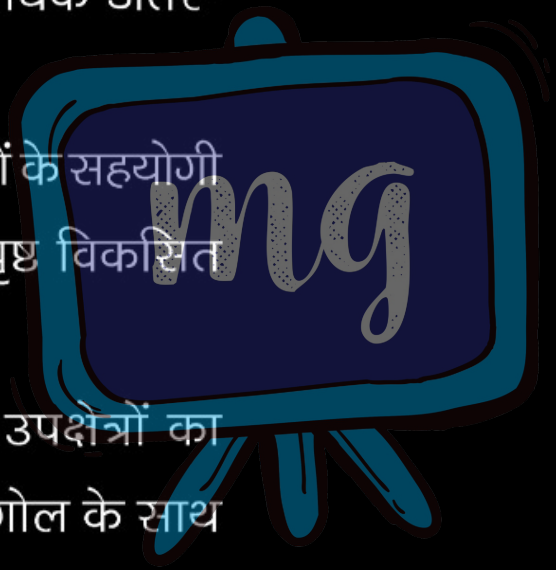
समय अवधि	उपागम	वृहत् लक्षण
1990 का दशक	भूगोल में उत्तर-आधुनिकवाद	वृहत् सामान्यीकरण तथा मानवीय दशाओं की व्याख्या करने वाले वैश्विक सिद्धांतों की प्रयोज्यता पर प्रश्न उठने लगे। अपने आप में प्रत्येक स्थानीय संदर्भ की समझ के महत्त्व पर जोर दिया गया।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

मानव भूगोल के क्षेत्र एवं उपक्षेत्र :

- मानव भूगोल की प्रकृति अत्यधिक अंतर-विषयक है।
- मानव भूगोल सामाजिक विज्ञानों के सहयोगी विषयों के साथ घनिष्ठ अंतरापृष्ठ विकसित करती है।
- ज्ञान के विस्तार के साथ नए उपक्षेत्रों का विकास होता है और मानव भूगोल के साथ भी ऐसा ही हुआ।



मानव भूगोल के क्षेत्र एवं उपक्षेत्र :

मानव भूगोल के क्षेत्र	उपक्षेत्र	सामाजिक विज्ञानों के सहयोगी अनशासकों से अंतरा पृष्ठ
सामाजिक भूगोल	–	सामाजिक विज्ञान – समाजशास्त्र
	व्यवहारवादी भूगोल	मनोविज्ञान
	सामाजिक कल्याण का भूगोल	कल्याण अर्थशास्त्र
	अवकाश का भूगोल	समाजशास्त्र
	सांस्कृतिक भूगोल	मानवविज्ञान
	लिंग भूगोल	समाजशास्त्र, मानवविज्ञान, महिला अध्ययन
	ऐतिहासिक भूगोल	इतिहास
	चिकित्सा भूगोल	महामारी विज्ञान
नगरीय भूगोल	–	नगरीय अध्ययन और नियोजन

मानव भूगोल के क्षेत्र	उपक्षेत्र	सामाजिक विज्ञानों के सहयोगी अनशासकों से अंतरा पृष्ठ
राजनीतिक भूगोल	–	राजनीति विज्ञान
	निर्वाचन भूगोल	–
	सैन्य भूगोल	सैन्य विज्ञान
जनसंख्या भूगोल	–	जनांकिकी
आवास भूगोल	–	नगर/ग्रामीण नियोजन
अर्थिक भूगोल	–	अर्थशास्त्र
	संसाधन भूगोल	संसाधन अर्थशास्त्र
	कृषि भूगोल	कृषि विज्ञान
	उद्योग भूगोल	औद्योगिक अर्थशास्त्र
	विपणन भूगोल	व्यवसायिक अर्थशास्त्र, वाणिज्य
	पर्यटन भूगोल	पर्यटन और यात्रा प्रबंधन
	अंतर्राष्ट्रीय व्यापार का भूगोल	अंतर्राष्ट्रीय व्यापार